विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -०३ -०५ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज व्यंजन संधि के बारे में अध्ययन करेंगे

व्यंजन संधि

व्यंजन संधि की परिभाषा

व्यंजन के बाद यदि किसी स्वर या व्यंजन के आने से उस व्यंजन में जो विकार / परिवर्तन उत्पन्न होता है वह व्यंजन संधि कहलाता है।

व्यंजन संधि के प्रमुख नियम

नियम 1- किसी वर्ग के पहले वर्ण क्, च्, ट्, त्, प् का मेल किसी वर्ग के तीसरे अथवा चौथे वर्ण या य्, र्, ल्, व्, ह या किसी स्वर से हो जाए तो क् को ग् च् को ज्, ट् को ड् और प् को ब् हो जाता है।

जैसे-

- अच् + अंत = अजंत (च् + अ = ज्)
- षट् + आनन = षडानन (ट् + आ = डा)

नियम 2- यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण (क्, च्, ट्, त्, प्) का मेल न् या म् वर्ण से हो तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ वर्ण हो जाता है।

जैसे-

- अप् + मय = अम्मय

- उत् + नयन = उन्नयन

नियम 3- त् का मेल ग, घ, द, ध, ब, भ, य, र, व या किसी स्वर से हो जाए तो द् हो जाता है।

जैसे-

- जगत् + ईश = जगदीश
- सत् + भावना = सद्भावना

नियम 4- त् से परे च् या छ् होने पर च, ज् या झ् होने पर ज्, ट् या ठ् होने पर ट्, ड् या ढ् होने पर ड् और ल होने पर ल् हो जाता है।

जैसे-

- उत् + चारण = उच्चारण
- सत् + जन = सज्जन

नियम 5- यदि त् का मेल श् से हो तो त् को च् और श् का छ् बन जाता है।

जैसे-

- उत् + श्वास = उच्छ्वास
- उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट

नियम 6- त् का मेल यदि ह् से हो तो त् का द् और ह् का ध् हो जाता है।

जैसे-

- उत् + हार = उद्धार
- उत् + हरण = उद्धरण

नियम 7- यदि स्वर के बाद छ् वर्ण आ जाए तो छ् से पहले च् वर्ण बढ़ा दिया जाता है।

जैसे-

- संधि + छेद = संधिच्छेद
- अनु + छेद = अनुच्छेद

नियम 8- यदि म् के बाद क् से म् तक कोई व्यंजन हो तो म् अनुस्वार में बदल जाता है।

जैसे-

- किम् + कर = किंकर
- सम् + तोष = संतोष